हिन्दुस्तान

तेजी | मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को नवंबर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य

डिफेंस कॉरिडोर के लिए 96% भूमि ली गई

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) परियोजना ने महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। परियोजना के तहत कुल अनुमोदित 2097 हेक्टेयर भूमि में से 96 प्रतिशत यानी 2015 हेक्टेयर भूमि का क्रय और अधिग्रहण पूरा हो चुका है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) नवंबर 2025 तक इस परियोजना को पूर्ण करने के लिए तेजी से कार्य कर रहा है। इस परियोजना के तहत 5800 किसानों को उनकी भूमि के लिए मुआवजा दिया गया है, झांसी में सर्वाधिक 2037 किसानों को लाभ मिला है।

220 हेक्टेयर का पुनर्ग्रहण : यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए कुल 2015 हेक्टेयर भूमि में से 1794 हेक्टेयर से अधिक भूमि का क्रय किया गया है, जबकि 220 हेक्टेयर से अधिक भूमि का पुनर्ग्रहण, अंतरण और विनिमय किया गया है। यह परियोजना छह नोड्स (लखनऊ, कानपुर, झांसी, अलीगढ़, चित्रकूट और आगरा) में विकसित की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, झांसी नोड में सर्वाधिक 1087 हेक्टेयर से अधिक भूमि अधिग्रहीत की गई है, जबकि चित्रकूट में दो चरणों में 274 हेक्टेयर, कानपुर नगर में 222 हेक्टेयर, लखनऊ में 160 हेक्टेयर, अलीगढ़ में 158 हेक्टेयर और आगरा में अब तक 112 हेक्टेयर से अधिक भूमि का क्रय-अधिग्रहण हो चुका है।

06 नोड्स में विकसित किया जा रहा यूपी में डिफेंस कॉरिडोर

5800 किसानों को मुआवजा, 2300 बैनामे हुए

इस परियोजना के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और किसानों के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। अब तक 5800 किसानों को उनकी भूमि के लिए उचित मुआवजा वितरित किया जा चुका है। झांसी में 2037 किसानों को इसका लाभ मिला है, जो इस परियोजना में सबसे अधिक है। इसके अलावा, चित्रकूट में दो चरणों में अब तक 1816, कानपुर नगर में 833, अलीगढ़ में दो चरणों में 493, आगरा में दो चरणों में 369 और लखनऊ में 260 कृषकों से भूमि क्रय की गई है। बैनामा की बात करें तो कुल 2345 बैनामे हुए हैं। इनमें झांसी में 1072, कानपुर नगर में 400, चित्रकूट में 313, लखनऊ में 239, आगरा में 186 और अलीगढ़ में 135 बैनामे हुए हैं।